जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 49 संख्याः 295 प्रभात कोटा, बुधवार 7 अगस्त, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

राहुल गांधी ने विदेश मंत्री जयशंकर से बांग्लादेश के संकट में पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल पूछा

राहुल ने विदेश मंत्री से भारत की तत्कालिक और दीर्घकालीन रणनीति के बारे में सवाल-जवाब किये

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस.जयशंकर के समय तीन महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए जिनमें से एक बांग्लादेश में हुए तख्ता पलट में पाकिस्तान की संभावित भूमिका के बारे में है, जिसकी वजह से भारी हिंसा के बीच शेख हसीना को ढाका छोड़कर भारत आना पड़ा था।

सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी ने गत दिनों ढाका में हुए सत्ता परिवर्तन के कूटनीतिक प्रभाव से निपटने की सरकार की शॉर्ट टर्म व लॉन्ग टर्म नीति के बारे में पूछा। मंत्री महोदय ने बताया कि स्थिति तेजी से बदल रही है और सरकार बहुत बारीकी से हालात पर नज़र रखे हुए हैं, ताकि अगला कदम उठा सके।

कांग्रेस ने तो यह भी पूछा कि ढाका में कुछ सप्ताह से जो चल रहा है क्या उसमें विदेशी ताकतों खासकर पाकिस्तान का हाथ हो सकता है जिसकी वजह से हसीना को सत्ता से बेदखल होना पड़ा।

"साजिश" का संकेत दिए जाने पर जयशंकर ने कहा कि इस एंगल की जांच की जा रही है। एक सूत्र ने यह भी बताया कि एक पाकिस्तानी राजनयिक बांग्लादेश में बदलते हालात व हिंसा को दर्शाने के लिए सोशल मीडिया पर अपनी डी.पी. लगातार बदल रहा था। केन्द्र सरकार ने कहा कि इस बिन्दू की भी जांच की जा रही है।

गांधी ने यह भी पूछा कि क्या नई दिल्ली को बांग्लादेश में घटनाओं के नाटकीय मोड़ लेने का अंदेशा था। इस पर विदेश मंत्री ने कहा कि भारत घटना पर नज़र रखे हुए है।

कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने घाटी में पड़ोसी देश में चल रहे संकट से निपटने में मोदी सरकार को पूर्ण समर्थन दिया। मीटिंग के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट लिखी और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राहुल गांधी ने यह सवाल भी पूछा विदेश मंत्री से, कि क्या भारत को कुछ पूर्वाभास था, बांग्लादेश के घटनाक्रम के बारे में।
- इन सवालों का विदेश मंत्री के पास एक ही जवाब था कि बांग्लादेश की आंतरिक स्थिति में हर दिन नये-नये परिवर्तन लगातार हो रहे हैं तथा भारत सरकार इन परिवर्तनों को गंभीरता से लगातार देख रही है, विश्लेषण कर रही है, जिससे इस घटनाक्रम के बारे में सही समय पर सही निर्णय ले सके।
- इन ऑल पार्टी मीटिंग में सरकार ने सांसदों को यह जानकारी भी दी कि बांग्लादेश में इस समय बीस हजार भारतीय नागरिक हैं तथा लगभग 8,000 नागरिकों को बांग्लादेश से बाहर निकाला जा चुका है।
- भारत सरकार की ओर से, सांसदों की सर्वदलीय बैठक में यह भी बताया गया है कि शेख हसीना भारत की पुरानी मित्र हैं, अतः भारत सरकार उन्हें तसल्ली से समय दे रही है, ठंडे दिमाग से अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने के लिये।
- जैसा कि विदित ही है, शेख हसीना हिण्डौन एयरबेस पर एक सेफ हाउस में भारत सरकार के मेहमान के बतौर रूकी हुई हैं और उनकी सुरक्षा भारतीय वायु सेना की जिम्मेवारी है।

कानून मंत्री ने बेटे की नियुक्ति पर स्पष्टीकरण दिया

जयपुर 6 अगस्त (वि.सं.)। विधानसभा में सोमवार को सरकारी वकीलों की नियुक्ति भारतीय न्याय संहिता की जगह सीआरपीसी से करने और संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल के बेटे को ए.ए.जी. बनाने को लेकर भारी हंगामा हुआ। जोगाराम ने सदन स्थगित होने के बाद मीडिया के सामने अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि सरकारी वकीलों की नियुक्ति की प्रक्रिया भारतीय न्याय संहिता के क्रियान्वयन से पहले ही शुरू हो चुकी थी। जिला मजिस्ट्रेट के स्तर पर पैनल सी.आर.पी.सी. के तहत मंगवाए गए थे। हाईकोर्ट और केन्द्र सरकार के फैसले के अनुसार, प्रक्रिया जिन नियमों में शुरू हुई, उन्हीं नियमों में पूरी की जाती है, भले ही नई संहिता आ गई हो, इसलिए सीआरपीसी के तहत नियुक्तियां हुई। पिछली बार, जब मैं मंत्री नहीं था, तब भी मेरा बेटा ए.ए.जी. अपनी योग्यता से बना था। उसे अच्छे काम के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मेरा बेटा अपनी योग्यता के आधार पर ए. ए. जी. बना है। पिछली बार भी वह अपनी योग्यता से ए. ए. जी. था और उसे सर्वश्रेष्ठ काम के लिए पुरुस्कार भी मिला है।

बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों ने सेना के नेतृत्व में गठित सरकार को अस्वीकार किया

आम जनता की मांग है कि मोहम्मद यूनुस नई सरकार का नेतृत्व करें

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 अगस्त। बाँग्लादेश का उपद्रव नरेन्द्र मोदी सरकार के लिये बहुत बड़ा सिरदर्द बन गया है। राजनैतिक विश्लेषक इस बात को लेकर आशंकित हैं कि इसका भारत पर क्या असर होगा। सूत्रों का कहना है कि बाँग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना सैन्य-सुरक्षा युक्त एक भवन में हैं। ऐसा लग रहा है कि इंग्लैंड की उन्हें शरण देने में कोई रूचि नहीं है तथा अमेरिका ने तो उनका वीज़ा ही निरस्त कर दिया है।

विदेश मन्त्री एस.जयशंकर ने दिल्ली में एक सर्वदलीय मीटिंग बुलाई ताकि बाँग्लादेश के घटनाक्रम की जानकारी सबको दी जा सके। मीटिंग के बाद उन्होंने संसद में एक बयान दिया, जिसमें उन्होंने पूरे घटनाक्रम को विस्तार सहित बताने के साथ ही इस पूरे घटनाक्रम में भारत की भूमिका का उल्लेख किया।

विशेष बात यह रही कि प्रधानमंत्री मोदी न तो सर्वदलीय मीटिंग में उपस्थित थे और न वे संसद के किसी सदन में ही दिखाई दिए।

जहाँ तक बाँग्लादेश की हिंसा को लेकर चिन्ताओं का प्रश्न है, सीमा सुरक्षा सम्बन्धी मुद्दे तथा गैरकानूनी रूप से सीमा पर करने का मुद्दा भारतीय सरकार के लिये बहुत बड़ा तथा महत्वपूर्ण बिन्दु बन गये हैं। गृहमन्त्री अमित शाह ने एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एन.एस.ए.) डोभाल के साथ मीटिंग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मोहम्मद यूनुस एक इकॉनमिस्ट हैं तथा नोबेल पुरुस्कार भी पा चुके हैं तथा बांग्लादेश में बड़े सम्मानित व्यक्ति हैं।
- पर, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वे सरकार का नेतृत्व करने के लिये तैयार होंगे या नहीं।
- बांग्लादेश में बिगड़ते हालात व दंगे जैसी स्थिति के कारण भारी संख्या में शरणार्थियों के भारत आने की संभावना है।
- इस संबंध में गृह मंत्री अमित शाह ने विदेश मंत्री जयशंकर व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात करके मंथन किया।
- पाकिस्तान, चीन व अमेरिका, बांग्लादेश की स्थिति को ध्यान से देख रहे हैं तथा भूमिका निभाने के लिए लालायित हैं।
- बांग्लादेश में दंगे भड़कने से कुछ दिन पहले ही अमेरिका के 22 सिनेटरों ने चिट्ठी लिखी थी कि क्यों और कैसे, बांग्लादेश की प्र.मंत्री को हटाने की जरूरत है।